an>

Title: Need to expedite the construction of Delhi-Rajkhara-Raodhar-Jagdalpur railway line in Chattisgarh.

श्री दिनेश कश्यप (बस्तर) : महोदया, मैं आपका ध्यान रेल परियोजना के बारे में दिलाना चाहता हूँ। मेरा संसदीय क्षेत्र बस्तर आदिवासी बहुल क्षेत्र है और यह सर्वाधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। मैं छत्तीसगढ़ की आर्थिक रेल लाइन और भिलाई इस्पात संयंत्र की जीवन रेखा मानी जाने वाली रावघाट रेल परियोजना के बारे में आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ। 11 दिसम्बर, 2007 को सेल-एन.एम.डी.सी.-रेलवे व छत्तीसगढ़ सरकार के मध्य एम.ओ.यू. हुआ और इसके लिए पाँच साल का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन अभी तक इसके निर्माण के सम्बन्ध में कोई पहल नहीं हुई है और कोई कार्य नहीं हुआ है।

महोदया, फर्स्ट फेज में रेल लाइन का निर्माण होना था और फर्स्ट फेज पूरा होने पर सेकेंड फेज में दूसरा निर्माण होता। बस्तर क्षेत्र क्षेत्रफल की दृष्टि से केरल राज्य से भी बड़ा है, लेकिन रेल सुविधा की दृष्टि से वहाँ कुछ भी नहीं है। यह बात अलग है कि जापान को हमारा लोहा जाता है, हिन्दुस्तान को जाता है, लेकिन बस्तर के लोगों को, जो आदिवासी बहुल क्षेत्र है, नक्सल प्रभावित क्षेत्र है, वहाँ के लोगों के लिए रेल सुविधा की दृष्टि से कुछ भी नहीं है। अगर हमको बस्तर से रायपुर आना हो तो हमको सड़क मार्ग से 300 किलोमीटर आना पड़ता है और आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। अगर हमको रायपुर से दिल्ली आना होगा तो भी हमको असुविधा होती है।

महोदया, मैं कहना चाहता हूँ कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी, यू.पी.ए. सरकार ने तो इस पर कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन लोगों की आस्था माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ऊपर है, हमारे रेल मंत्री सुरेश प्रभु जी के ऊपर है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि बस्तर जैसे पिछड़े हुए क्षेत्र को, जहाँ पर सुरक्षा के साथ विकास किया जाना है, इसके लिए आप पहल करेंगे ताकि वहाँ के लोगों को रेल सुविधा, रेल विस्तार का लाभ मिल सके। आजादी के इतने वर्षों बाद भी हमको किसी प्रकार का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। आपने मुझे समय दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।